B.A. HONOURS
SEMESTER- VI
SUBJECT –HINDI
PAPER- CC14

कथेतर गद्य

Time-3hrs. Full marks -60

The figures in margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

1. निम्नलिखित प्रश्नों एवं गद्यांशों में से किन्हीं छः का संक्षिप्त उत्तर दीजिए अथवा सप्रसंग व्याख्या कीजिए | 6x5=30

(क) संसमरण क्या है ? इसके विविध सोपानों पर प्रकाश डालिए |

(ख) रिपोतार्ज लेखन की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए |

(ग) जीवनी के आवश्यक तत्वों की चर्चा कीजिए |

(घ) रेखचित्र क्या है ? रेखाचित्र के विभिन्न उपादान क्या हैं ?

(ङ) "मैं देख रही थी कि वे एक ऐसे मिजाज में घर लौटे हैं , जैसे किसी जुए में बुरी तरह हारे हो | यों तो मुझे उनके डिपार्टमेन्ट से लौटते हुए घर में आने पर गंभीरतम चेहरे का सामना करने की आदत है | मैं ही क्या घर में उनके पिता, बड़े भाई , छोटे भाई तक उनके शांत मिजाज से आक्रांत रहते थे | मैं अक्सर एकान्त और मधुर क्षणों की खोज में रहती हूँ ताकि अपनी बात पापा से कह सकूँ |"

(च) निराला अपनी असामान्य शक्ति से रोग की यंत्रणा के साथ डबल्यूएच सारा विष हजम कर गए | वह विनोद शंकर से अपनी पीड़ा बारे में कुछ नहीं कहते | हँसी – मज़ाक, गाने-बजाने , कविता-पाठ में समय कट जाता था | निराला और विनोदशंकर व्यास की प्रतिभा और साहित्यिक अभिरुचि में बड़ा अंतर था , पर निराला दूसरों पर अपने बड़प्पन का बोझ न डालते थे |इसलिए विनोद शंकर बड़ी सहृदयता से निराला के प्रति अपनी मैत्री निवाहते रहे |

(छ) काकद्वय की चोंचों के दो घाव उस लघुप्राण के लिए बहुत थे, अतः वह निश्चेष्ट .सा गमले से चिपटा पड़ा था- सबने कहा, कौवे की चोंच का घाव लगने के बाद यह बच नहीं सकता, अतः इसे ऐसे ही रहने दिया जावे परंतु . उसे हौले से उठाकर अपने कमरे में लाई -मन नहीं माना, फिर रूई से रक्त पोंछकर घावों पर पेंसिलिन का मरहम लगाया |

(ज) मैं मानता हूँ कि पुस्तकें भी कुछ-कुछ घुमक्कड़ी का रस प्रदान करती है, लेकिन जिस तरह फोटो देखकर आप हिमालय के देवदार के घने वनों और श्वेत हिम-मुकुटित शिखरों के सौंदर्य , उनके रूप, उनके गंध का अनुभव नहीं कर सकते , उसी यात्रा-कथाओं से आपको उस बूंद से भेंट नहीं हो सकती , जो कि एक घुमक्कड़ को प्राप्त होती है | अधिक से अधिक यात्रा पाठकों के लिए यही कहा जा सकता है कि दूसरों अंधों की अपेक्षा उन्हें थोड़ा आलोक मिल जाता है और साथ ही साथ प्रेरणा भी मिल सकती है |

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए | 3x10=30

(क) मैत्रयी पुष्पा की आत्मकथांश ' गुड़िया भीतर गुड़िया' में चित्रित आत्मवेदना को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए |

(ख) 'निराला की साहित्य साधना' में चित्रित 'नए संघर्ष' कवि के किस व्यक्तित्व की ओर इशारा करता है? विस्तृत रूप से आलोचना कीजिए |

(ग) अज्ञेय के संस्मरण 'दद्दा जी' के आधार पर मैथिलीशरण गुप्त का चरित्र-चित्रण कीजिए |

(घ) बहता पानी निर्मला के आधार पर 'घुमक्कड़ शास्त्र'की समीक्षा कीजिए |

(ङ) महादेवी वर्मा के 'गिल्लू' के माध्यम से मानवीय समवेदनाओं पर प्रकाश डालिए |